दिग्विजय सिंह
संसद सदस्य - राज्य सभा

सत्यमेव जयते

बी-1, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
फोन : 0755-2441788, 2441790

64, लोधी ईस्टेट, नई दिल्ली
फोन : 011-24628655

ई-मेल : digvijaya.singh@sansad.nic.in
dvsofficebhopal@gmail.com

क्रमांक 1269 /2025
दिनांक 12/11 /2025

प्रिय डॉ. मोहन भागवत जी,

गत दिवस बैंगलोर में आपके द्वारा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को पंजीकृत नहीं कराने की तुलना हिंदू धर्म से कर सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों लोगों का अपमान किया है। आपके इस वक्तव्य की मैं घोर भर्त्सना करता हूँ। मेरा मानना है कि आपको हिन्दू धर्म और आर.एस.एस. में समानता बताने वाले अपने शब्दो पर सनातन धर्मावलम्बियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिये। संघ कभी भी हिंदू धर्म का पर्याय नही बन सकता है। हिंदू धर्म की जड़ें हजारों साल गहरी है।

गत दिवस बैंगलोर में आपने संघ के पंजीकृत नहीं होने के समर्थन में अनेक तर्क प्रस्तुत कर दिये। आप यह तक कह गये कि जिस तरह हिंदू धर्म का कोई पंजीकरण नही है उसी तरह संघ का पंजीकरण नही कराया है। आप ने कहा कि संघ अंग्रेजों की गुलामी से लड़ रहा था, इसलिये उसने अंग्रेज सरकार से रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। ईस्ट इंडिया कंपनी के जाने के बाद जब ब्रिटिश हुकुमत ने हिंदुस्तान में अपना शासन स्थापित किया तो उन्होने अनेक कानून बनाये। जिसमें से एक सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 था, जिसके पालन में अनेक स्वयंसेवी संगठनों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराते हुए तत्समय प्रभावी कानून का पालन किया था। संविधान, विधान, नियम, निर्देश और कायदा–कानून से आपके संगठन का शुरू से वास्ता नही रहा है।

देश की आजादी के बाद आज छोटे–बड़े लाखों स्वयंसेवी संगठन देश और प्रदेशों में स्थापित कानून के तहत पंजीकृत हैं और अपने–अपने कायदे–कानून के तहत बैठकों की जानकारी, किये जाने वाले कार्यक्रमों के साथ–साथ आय–व्यय का ब्यौरा भी हर साल नियमानुसार जमा करते हैं। वही संघ है जो हर साल करोडों रूपये का आय–व्यय करता है और हिसाब देने की जगह पंजीयन के कानून से अपने आप को बचाता रहता है। आपका कहना है कि संघ की आय को आयकर से छूट मिली है तो वह आदेश बतायें जिसमें संघ को आयकर जमा करने से छूट दी गई है।

आपके संगठन ने एक शताब्दी के सफर में करोड़ों रूपये अभ्यास वर्गो, सम्मेलनों, बैठकों और यात्राओं में खर्च किये होंगे। पर आप को देश की संवैधानिक व्यवस्था में और संविधान में विश्वास नही है। इसलिये आप हिसाब–किताब देने से बचने के लिये आज तक पंजीयन नही कराकर अनेक कुतर्क गढ रहे है।

निरंतर.....2

दिग्विजय सिंह
संसद सदस्य - राज्य सभा

सत्यमेव जयते

बी-1, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
फोन : 0755-2441788, 2441790

64, लोधी ईस्टेट, नई दिल्ली
फोन : 011-24628655

ई-मेल : digvijaya.singh@sansad.nic.in
dvsofficebhopal@gmail.com

क्रमांक /2025
दिनांक /2025

मैं पूछना चाहता हूँ कि दिल्ली में बने 250 करोड़ रूपये की लागत वाले कार्यालय के लिये आपके पास कहाँ से इतना धन आया क्यों नही आप संघ का पंजीयन कराते हुए देश के सामने पाई–पाई का हिसाब रखना नही चाहते ?

आपके उद्‌गार से ये नई बात पता चली कि संघ 1925 से अंग्रेजों से लड़ रहा था। जबकि भारत का 1925 से 1947 तक के कालखंड का इतिहास यह बताता है कि संघ का आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नही है। पूरे देश में जब लाखों लोग राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू और सरदार पटेल के नेतृत्व में 1942 में जेल की सलाखों के पीछे डाल दिये गये थे। तब संघ के लोग मुस्लिम लीग की सरकार में मंत्री बनकर स्वतंत्रता सेनानियों पर दमन करने के रास्ते बता रहे थे और अंग्रेजों की मुखबिरी कर रहे थे। यह वहीं समय था, जब जवाहर लाल नेहरू 1942 से 1945 तक की 3 वर्ष लम्बी अंग्रेजो की केद काट रहे थे। देश की आजादी के अमृतकाल में आपको संघ के बारे में इस तरह की गलत जानकारी देकर देशवासियों को गुमराह करना शोभा नही देता।

पूरा देश जानता है कि 1925 में गठित संघ ने 1947 में देश के आजाद होने तक अंग्रेजों के खिलाफ एक भी आंदोलन नही किया, न ही जेल यात्राएं की। जबकि इसी अवधि में भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू और अशफाक उल्ला जैसे क्रांतिकारियों ने हंसते–हंसते फांसी के फंदे को गले लगाया था। आप संघ को गैर राजनैतिक सांस्कृतिक राष्ट्रवादी संगठन कहते है। वही दूसरी ओर आपके स्वयं सेवक सरेआम भाजपा का प्रचार–प्रसार करते है। आपके प्रचारक भाजपा संगठन में जाकर सत्ता सुख का आनंद भी लेते है। एक तरफ आप देशभक्ति की बात करते है दूसरी ओर आपसे जुड़े अन्य संगठनों के लोग देश विरोधी गतिविधियों में पकड़े जाते है, यही नही संघ के वरिष्ठ नेता मनमोहन वैद्य कहते है कि हजारों स्वयं सेवक मांस भक्षण भी करते है।

निरंतर.....3

दिग्विजय सिंह
संसद सदस्य - राज्य सभा

सत्यमेव जयते

बी-1, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
फोन : 0755-2441788, 2441790

64, लोधी ईस्टेट, नई दिल्ली
फोन : 011-24628655

ई-मेल : digvijaya.singh@sansad.nic.in
dvsofficebhopal@gmail.com

क्रमांक /2025
दिनांक /2025

मेरा आपसे निवेदन है कि हिंदू/सनातन धर्म की संघ के साथ तुलना करने पर आपको देश देश में सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिये। हमारे वेद—पुराण सदियों से हिंदू धर्म मानने वालों की आस्था के केन्द्र हैं। हिंदू धर्म ही नही दुनिया के किसी भी धर्म का कहीं पंजीयन नही कराया जाता है। आप हिंदू धर्म के पंजीयन नही होने से संघ की तुलना करने के शब्द वापस लेकर खेद व्यक्त करने का साहस दिखाये।

सादर,

आपका

(दिग्विजय सिंह)

डॉ. मोहन भागवत
संघ प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ,
डॉ. हेडगेवार भवन,
नागपुर, महाराष्ट्र 440032